



कनेक्टेड समाज

मोबाइल इंटरनेट कौशल प्रशिक्षण टूलकिट

भारत में बुनियादी मोबाइल इंटरनेट कौशल में लोगों के प्रशिक्षणार्थ गाइड



एक नज़र टूलकिट पर

मोबाइल फोन का उपयोग बात करने के अलावा भी बहुत से कामों के लिए होता है। दुनिया भर में इंटरनेट के लिए इसका उपयोग करने वालों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। जहां इंटरनेट का इस्तेमाल करने के ढेर सारे लाभ हैं, वहीं मोबाइल फोन का ठीक तरह से उपयोग करने के लिए खास कौशल व ज्ञान की जरूरत होती है। इसका मतलब यह हुआ कि जिन लोगों के पास यह कौशल या जानकारी नहीं है वह जिंदगी में काम आने वाली इन सेवाओं का लाभ नहीं उठा पाते हैं।

टूलकिट का लक्ष्य?

यह टूलकिट उन मोबाइल ऑपरेटर्स (MNOs), गैर सरकारी संगठनों, विकास संगठनों और सरकारों के लिए है, जो लोगों को ट्रेनिंग देकर मोबाइल इंटरनेट के बारे में उनका सामान्य ज्ञान व समझ बढ़ाना चाहते हैं।

यहां दिए गए उपकरणों व संसाधनों की मदद से ट्रेनर मोबाइल फोन पर इंटरनेट के महत्व व उपयोग को दिखा सकते हैं। जिसका असर यह होगा कि सीखने वाले में इस बात की समझ पैदा होगी कि वह इंटरनेट का उपयोग किसलिए व कैसे कर सकता है। हमारा मानना है कि इससे जागरूकता आएगी और मोबाइल इंटरनेट की जिंदगी में काम आने वाली सेवाओं का उपयोग बढ़ेगा।

इस टूलकिट में दी गई ट्रेनिंग का लक्ष्य ऐसे लोग हैं जो मोबाइल इंटरनेट के बारे में बहुत थोड़ी या न के बराबर जानकारी रखते हैं। इसका उद्देश्य उन लोगों को सिखाना

है जो मोबाइल इंटरनेट के बारे में जानना और उसके जरिए बातचीत व ऑनलाइन सर्च करना चाहते हैं। यह टूलकिट उन लोगों के लिए उपयोगी नहीं है जिनके पास मोबाइल फोन का इस्तेमाल करने का जरा भी अनुभव नहीं है, और इसमें कॉल करने या एसएमएस जैसे सामान्य कामकाज को शामिल नहीं किया गया है। इस टूलकिट में एप डाउनलोड करने व ईमेल बनाने जैसे काम को भी शामिल नहीं किया गया है। जो मोबाइल इंटरनेट के बारे में कम या न के बराबर जानकारी रखने वाले के लिए जटिल काम हो सकता है। यह उन लोगों के लिए भी नहीं है, जो पहले से ही मोबाइल इंटरनेट से परिचित हैं। हालांकि यह टूलकिट भारत के महाराष्ट्र राज्य में रहने वालों को ध्यान में रखकर बनाई गई है, हमें पूरा भरोसा है कि यह बाकी देश के लिए भी उपयोगी साबित होगी। साथ ही इसे 'हाउ टू गाइड' सहित अन्य देशों के निवासियों की जरूरत के अनुरूप भी ढाला जा सकता है।

एक नज़र टूलकिट पर

क्या है 'How To Guide'?

साधारण उपयोग सिखाने के लिए प्रशिक्षण को स्थानीय जरूरतों के मुताबिक ढाल सकता है। यह गाइड लोगों की जरूरतों के मुताबिक सार्थक ट्रेनिंग सेशन व संसाधन विकसित करने के लिए जरूरी काम व उपाय सुझाती है।

'हाउ टू गाइड' में ढेर सारे उपयोगी उदाहरण भी दिए हुए हैं जिनका टूलकिट में दी गई जानकारी व टिप्स के साथ इस्तेमाल किया जा सकता है। हम चाहते हैं कि

टूलकिट का उपयोग करने वाले सभी लोग इसकी समीक्षा करें व 'हाउ टू गाइड' के उपयोगी हिस्सों को अपने प्रशिक्षण सत्र का हिस्सा बनाएं।

टूलकिट का दायरा?

यह टूलकिट साधारण स्मार्टफोन में मोबाइल इंटरनेट के इस्तेमाल के बारे में जानकारी देती है। यह इस तरह बनाई गई है कि सीखने वाला सामान्य बातचीत से जटिल कामों मसलन इंटरनेट सर्च तक का सफर आसानी से तय कर सके। हालांकि टूलकिट में क्रम का ध्यान रखा गया है लेकिन प्रत्येक ट्रेनिंग सेशन अपने आप में भी पूरा है। जिससे कि ट्रेनर लोगों की जरूरत के मुताबिक सेशन का चुनाव कर सकता है।

हम लोगों को मोबाइल इंटरनेट से परिचित कराने के लिए व्हाट्सएप, यूट्यूब व गूगल तीन मोबाइल इंटरनेट सेवाओं का उपयोग करेंगे। हम इंटरनेट से परिचित कराने के साथ ही सुरक्षा व लागत के बारे में भी बताएंगे। यह भारत में हमारी कंज्यूमर रिसर्च के नतीजों पर आधारित है। जिसके मुताबिक यह सेवायें सबसे ज्यादा उपयुक्त हैं। हमारी रिसर्च के

मुताबिक लोगों ने अन्य सेवायें (उदाहरण फेसबुक) सीखने के प्रति कम रुचि दिखाई।

हालांकि, अगर आप किसी अन्य जगह पर टूलकिट का इस्तेमाल करने के बारे में सोच रहे हैं, तो जिन प्रमुख सेवाओं को

अपने प्रशिक्षण का आधार बनाना चाहते हैं वे अलग हो सकती हैं। यह इस बात पर निर्भर करेगा कि लोगों के लिए क्या जरूरी है (देखें 'हाउ टू गाइड')।

इस टूलकिट में क्या है



इंटरनेट से परिचय

बहुत से लोग मोबाइल इंटरनेट से परिचित नहीं हैं, भले ही उन्होंने इसके बारे में सुना हो। हमने बहुत ही सरल तरीके से लोगों के इंटरनेट से जुड़े आम सवालों के जवाब दिये हैं।



व्हाट्सएप

दूसरे देशों की तरह ही भारत में भी लोगों को व्हाट्सएप करना पसंद है। लोग पहले से ही एसएमएस (SMS) सेवा का इस्तेमाल करते आ रहे हैं इसलिये वे इसके काम के तरीके को पहले से ही जानते हैं। व्हाट्सएप को ट्रेनर्स 'शुरुआती बिंदु' (एंट्री पॉइंट) की तरह इस्तेमाल में ला सकते हैं, जिससे ट्रेनी को इंटरनेट के जरिए संवाद के फायदे और इसके लिये जरूरी कौशल के बारे में बताया जा सकता है।



यूट्यूब

यूट्यूब जहां ट्रेनी का इंटरनेट से आसान व मजेदार तरीके से परिचय कराता है। वहीं ट्रेनर भारत में ऑडियो विजुअल माध्यमों की लोकप्रियता को देखते हुए, मोबाइल इंटरनेट सिखाते समय इसका इस्तेमाल लोगों से जुड़ने के लिए कर सकता है। कनेक्टिविटी की समस्या के चलते संभव है यूट्यूब हमेशा सभी जगह उपलब्ध न हो सके। ऐसी स्थिति में हमारा सुझाव है कि यूट्यूब मॉड्यूल को रहने दें, या कम डाटा खर्च करने वाले किसी अन्य ऑडियो/विजुअल एप का प्रयोग करें (उदाहरण के लिए तस्वीरें खोजने में काम आने वाला गूगल इमेज सर्च)।

कनेक्टिविटी

इस टूलकिट में क्या है



गूगल सर्च

गूगल सर्च लोगों की इंटरनेट पर जरूरी जानकारी खोजने में मदद करता है। गूगल के जरिए ट्रेनी इंटरनेट पर जानकारियों का भण्डार पा सकते हैं। साथ ही वे सर्च व जानकारी निकालने का अभ्यास भी कर सकते हैं। जिन ट्रेनी ने यूट्यूब मॉड्यूल को पढ़ा है उनके लिये यह अच्छा मौका है, वे यूट्यूब के जरिये अपने इंटरनेट कौशल को और विकसित कर सकते हैं।



सुरक्षा व खर्च

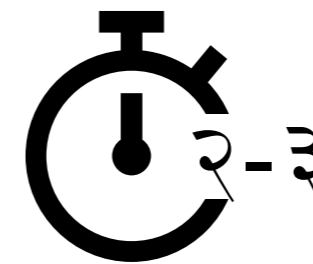
कैसे सुरक्षित रहें व मोबाइल इंटरनेट पर होने वाले खर्च को व्हाट्सएप, यूट्यूब व गूगल तीनों ही मॉड्यूल में जगह दी गई है। हमारी रिसर्च के मुताबिक भारत में मोबाइल इंटरनेट के इस्तेमाल को लेकर लोगों के बीच सुरक्षा व खर्च दो बड़ी चिंताएं हैं, इसलिए हमने सभी इन-डेपथ ट्रेनिंग मॉड्यूल व बाइटसाइज ट्रेनिंग सेशन में अलग से इन पर ध्यान दिया है।

इस छायाचित्र की मदद से आप ट्रेनिंग में शामिल प्रमुख सेवाओं, कार्यों व कौशल के बारे में जान सकते हैं।



इस टूलकिट का उपयोग कैसे कर सकते हैं?

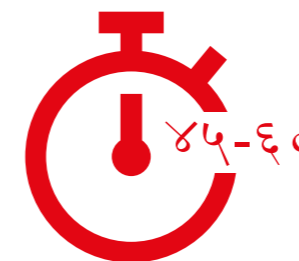
इस टूलकिट का उपयोग कई तरह से कर सकते हैं, यह ट्रेनर के ट्रेनी के साथ बिताये गये समय पर निर्भर करता है।



जिन ट्रेनर्स के पास ट्रेनी के लिए सिर्फ 2-3 मिनट हैं उनके लिए 'बाइटसाइज़' ट्रेनिंग ठीक है जिसमे हर सत्र (सेशन) में एक विषय कवर किया जाता है और यहां छह विषय चुने गये हैं: इंटरनेट से परिचय, व्हाट्सएप, यूट्यूब, गूगल, सुरक्षा (इन्टरनेट सेफ्टी) और मूल्य (कॉस्ट)।

बाइटसाइज़ सत्र उनके लिए भी उपयोगी हो सकते हैं जिन्होंने ट्रेनिंग पूरी कर ली है लेकिन अपनी जानकारी को जांचना चाहते हैं।

बाइटसाइज़ ट्रेनिंग के लिए पेज 8 देखें।



जिन ट्रेनर्स के पास ट्रेनी के लिए 45-60 मिनट हैं उनके लिए चार इन-डेप्थ ('in-depth') ट्रेनिंग सेशन हैं। इन-डेप्थ ट्रेनिंग 45-60 मिनट के परिचय सत्र से शुरू होती है, उसके बाद उतनी ही अवधि के तीन मोबाइल ट्रेनिंग सेशन होते हैं।

हर मोबाइल ट्रेनिंग सेशन एक टॉपिक कवर करता है: व्हाट्सएप, यूट्यूब व गूगल। साथ ही सुरक्षा व लागत को हर सेशन में शामिल किया गया है।

'इन डेप्थ' ट्रेनिंग के लिए पेज 24 देखें।

वाइडसाइज टेनिंग

बाइटसाइज़ ट्रेनिंग को कैसे प्रयोग करें?



यह अनुभाग (सेक्शन) उन ट्रेनर्स के लिए है जिनके पास अपने ट्रेनी को देने के लिए सिर्फ 2-3 मिनट का समय है। जिन्होंने ट्रेनिंग पूरी कर ली है, वे भी इससे फायदा ले सकते हैं लेकिन इसके लिये उन्हें सीखी गयी बातों को फिर से दोहराना होगा।

हर सेशन में एक विषय कवर किया जाता है और छह चुने हुए विषय इंटरनेट से परिचय, व्हाट्सएप, यूट्यूब, गूगल, सुरक्षा व खर्च के बारे में यहां बताया जाता है। हर सेशन में सेवा के बारे में विस्तार से बताया जाता है और उसका अभ्यास करवाया जाता है।

प्रत्येक बाइटसाइज़ सत्र में एक ही तरीका अपनाया जाता है:



यह क्या है?

सेवा का संक्षिप्त विवरण दें। "कोटेशन" का निशान सुझाता है कि ट्रेनर क्या बता सकते हैं।



आप किसलिए इसका उपयोग कर सकते हैं?

सेवा के लाभ का संक्षिप्त विवरण दें। "कोटेशन" का निशान सुझाता है कि ट्रेनर क्या बता सकते हैं।



यह कैसे काम करता है?

अभ्यास

फोन पर सेवा का इस्तेमाल करने में ट्रेनी की मदद के लिए 'हाउ टू यूज' पोस्टर का उपयोग करें। यह आपके दिए गए या ट्रेनी के फोन पर हो सकता है।



अभ्यास

अभ्यास में, ऐसे उदाहरण दें जो सीखने वालों के लिए सरल हों।

इम-डेथ रेनिंग

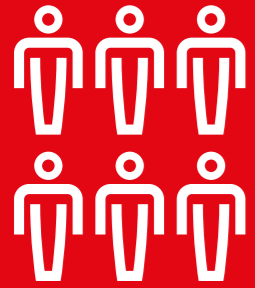
जानिए ट्रेनिंग कैसे देंगे

इन-डेपथ ट्रेनिंग देने के लिये सुझाव।



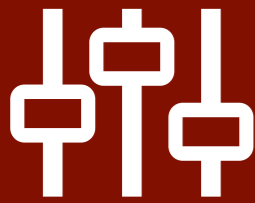
१. महिलाओं व पुरुषों के लिए अलग सत्र

महिलाओं व पुरुषों के लिए अलग-अलग प्रशिक्षण सत्र आयोजित करें। सत्र में महिलाओं और पुरुषों को अलग-अलग करें। इससे जहां उन्हें अभ्यास के लिए समान अवसर मिलेगा वहीं महिलायें व पुरुष अपनी-अपनी रुचियों के अनुसार खुलकर चर्चा व चिंताओं को साझा कर सकेंगे।



२. छोटे समूह अभ्यास

सीखने वालों को छोटे समूहों में बांट लें, प्रत्येक में छह से अधिक लोग नहीं होने चाहिए। इससे सीखने वालों को व्यावहारिक ज्ञान मिल सकेगा। साथ ही वह एक दूसरे की सीखने में मदद कर पायेंगे।



३. कौशल समूह

समूह में ऐसे लोगों को रखें जिनका ज्ञान व कौशल लगभग समान है। यह जरूरी है कि समूह में सीखने वालों की जानकारी स्तर का समान हो इससे उनका मनोबल व रुचि बढ़ती है। प्रशिक्षण शुरू होने के बाद भी ट्रेनी अलग समूहों में भेजे जा सकते हैं अगर ऐसा लगता है कि उनकी जानकारी का स्तर समूह के बाकी सदस्यों से अलग है।

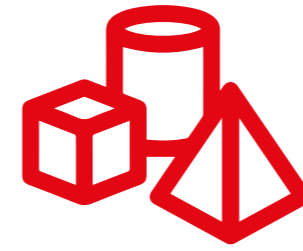


४. साझा उपकरण

अगर लोगों के पास अपना स्मार्टफोन नहीं है, तो उन्हें शुरुआती स्तर का स्मार्टफोन उपलब्ध कराएं जिसमें पहले से डाटा पड़ा हो। यह सुनिश्चित करने का प्रयास करें कि फोन अलग-अलग तरह के न हों (उदाहरण उनका ऑपरेटिंग सिस्टम एक जैसा हो) व उनका काम करने का तरीका समान हो। इससे प्रशिक्षण के दौरान सभी लोग एक जैसे कदमों का पालन कर सकेंगे। यह व्यक्तिगत डाटा के इस्तेमाल व व्यक्तिगत जानकारी साझा करने की चिंताओं से भी उन्हें मुक्त कर देगा। हमारी सलाह है कि प्रति फोन तीन से अधिक ट्रेनी नहीं होने चाहिए।

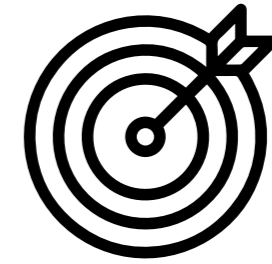
ट्रेनर के लिए टिप्स

सामान्य जानकारी से शुरुआत करें



हालांकि ट्रेनी कई इंटरनेट सेवाओं से परिचित हो सकते हैं लेकिन उनकी जानकारी आधी अधूरी होगी

सरल रखें



ज्यादा तकनीकी भाषा का इस्तेमाल ना करें

प्रासंगिक बनायें



अपनी व्यक्तिगत रुचियों का जिक्र कर ट्रेनी की दिलचस्पी बनाए रखें

आगे बढ़ायें



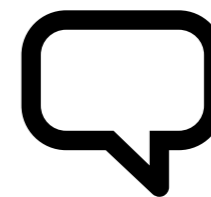
प्रयास करें कि वह सभी फोन पर सीखने का अभ्यास करें

ट्रेनी की सराहना करें



सीखने वालों की समय-समय पर तारीफ कर उनका उत्साह बढ़ायें अगर आपके प्रशिक्षण सत्र के लिए उचित हो तो उन्हें प्रमाणपत्र भी दे सकते हैं

बातचीत करें



सीखने वालों को सवाल-जवाब के लिए प्रेरित करें

इन-डेपथ ट्रेनिंग का उपयोग कैसे करें?



यह इन-डेपथ ट्रेनिंग गाइड उन ट्रेनर्स के लिए है जो ट्रेनी के साथ 45 से 60 मिनट तक बिताएंगे।

ट्रेनिंग में 45-60 मिनट के चार सत्र होते हैं जिसमें पहला परिचय का होता है और अगले तीन सत्रों में

व्हाट्सएप, यूट्यूब और गूगल के बारे में एक-एक कर बताया जाता है। सुरक्षा व लागत को प्रत्येक प्रशिक्षण सत्र में शामिल किया गया है।

हालांकि सभी सत्र आपस में जुड़े हैं लेकिन हर किसी की अपनी अलग पहचान है। इसका मतलब यह है कि आप अपने हिसाब से सीखने वालों के लिए सत्र का चुनाव कर सकते हैं।

अगर आप कनेक्टिविटी के कारण यूट्यूब से नहीं जुड़ सकते हैं तो इस मॉड्यूल को छोड़कर दूसरी ऑडियो-विजुअल सेवा का लाभ उठा सकते हैं जिसमें कम डाटा की जरूरत होती है।

इस गाइड में शामिल लोगों की तस्वीरें व उदाहरण भारत विशेषकर महाराष्ट्र राज्य के लिए प्रासंगिक हैं। अगर आप इस गाइड का कहीं अन्य उपयोग करना चाहते हैं तो हमारा सुझाव है कि कि अपने खुद के उदाहरण व स्थानीय लोगों की तस्वीरों का उपयोग करें।

इन-डेपथ ट्रेनिंग में चार प्रमुख गतिविधियां शामिल हैं:



समझाना: कम शब्दों में सेवा के लाभ समझायें



गतिविधि फोन पर अभ्यास



चर्चा: ट्रेनी को उनके जीवन में इन सेवाओं का लाभ उठाने के लिये प्रेरित करें



सार जिससे कि प्रत्येक माड्यूल में जो सीखा गया याद रहे

प्रशिक्षण सत्र की विषय सूची

हर प्रशिक्षण सत्र से पहले आप अपनी पूरी तैयारी कर लें। यह पक्का कर लें कि मोबाइल फोन सही काम कर रहे हैं कि नहीं, क्योंकि सत्र में अनुमान से ज्यादा समय लग सकता है।



सत्र के लिये जरूरी चीजों को चेक करें (प्रत्येक मॉड्यूल के विवरण वाले पन्ने पर जाकर जरूरत की वस्तुयें देख सकते हैं)



ट्रेनिंग कंटेंट को समझें



सुनिश्चित करें कि आपके सभी फोन चार्ज हैं



सभी फ़ोन में मोबाइल इंटरनेट की सेवा शुरू करें (याद रखें इसमें एक दिन का समय लग सकता है)



फोन पर जिस भी सेवा का उपयोग करना है, उसे डाउनलोड व सेट कर लें।

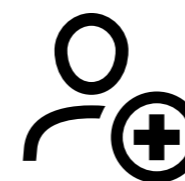
इस टूलकिट में एप डाउनलोड करने के बारे में नहीं बताया गया है। क्योंकि यह अधिक जटिल व समय लेने वाली प्रक्रिया है जिसके लिए ई-मेल होना जरूरी है। संभव है जो कई नए सीखने वालों के पास नहीं होगा। इसके अलावा शुरुआती स्तर के ज्यादातर एंड्रॉयड हैंडसेट में यूट्यूब व गूगल सर्च पहले से ही मौजूद होता है। अगर आप को व्हाट्सएप डाउनलोड करने के लिए मदद की जरूरत है तो आप इस सहायक गाइड की मदद ले सकते हैं।



अपने फ़ोन को नाम दें। सभी फ़ोन के पीछे नाम और मोबाइल नंबर का स्टीकर चिपका दें। जिससे आपको ट्रेनिंग के समय उन्हें पहचानने में आसानी होगी।



अगर आप Mi-Fi/Wi-Fi उपयोग कर रहे हैं तो कनेक्टिविटी चेक कर लें। साथ ही उन्हें आजमा कर भी देख लें।



सत्र से पहले ध्यान रखें कि वे सभी मोबाइल नंबर मोबाइल में हों, जिन्हें आप ट्रेनिंग में उपयोग करने वाले हैं।



अपने फ़ोन पर मोबाइल इंटरनेट डाटा पैक डालें।



प्रतिभागियों को फ़ोन देने से पहले निजी डाटा मिटा दें (जैसे तस्वीरें, संदेश, आदि)